ये अव्यक्त इशारे

ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति का अनुभव करो

22-11-2026

जैसे आपकी रचना कछुआ सेकेण्ड में सब अंग समेट लेता है। समेटने की शक्ति रचना में भी है। आप मास्टर रचता समेटने की शक्ति के आधार से सेकेण्ड में सर्व संकल्पों को समाकर एक संकल्प में सेकेण्ड में स्थित हो जाओ। जब सर्व कर्मेन्द्रियों के कर्म की स्मृति से परे एक ही आत्मिक स्वरूप में स्थित हो जायेंगे तब कर्मातीत अर्थात् सम्पन्न स्थिति का अनुभव होगा।

Experience the complete and perfect stage, the same as Father Brahma.

Your creation, the tortoise, is able to merge (withdraw) all its organs in one second. Even the creation has the power to merge. On the basis of the power to merge, you master creators can merge all thoughts in a second and become stable in one thought in one second. When you stabilise yourself in your soul-conscious form, beyond any awareness of the actions of all your physical organs, you will then experience the karmateet stage, that is, the stage of perfection.